

**IN THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL
JABALPUR BENCH "SMC", JABALPUR**

BEFORE SHRI ANADEE NATH MISSHRA, ACCOUNTANT MEMBER

I.T.A. No.157/JAB/2024
Assessment Year:2012-13

Nitendra Singh Rathore HUF Bugalow No.1, Sadar Bazar, Jhansi Road, Sagar, Madhya Pradesh-470002. PAN:AAFHN0477H (Appellant)	Vs.	Income Tax Officer-1 Sagar, Madhya Pradesh-470002. (Respondent)
--	-----	---

Appellant by	None
Respondent by	Shri N. M. Prasad, Sr. DR-1

ORDER

(A) This appeal vide I.T.A. No.157/JAB/2024 has been filed by the assessee for assessment year 2012-13 against impugned appellate order dated 09.08.2024 (DIN & Order No.ITBA/APL/S/250/2024-25/1067476749(1) of Ld. Addl/JCIT Commissioner of Income Tax (Appeals)-2, Gurugram, the Ld. First Appellate Authority. Grounds of appeal are as under:

"1. That on the facts and circumstances of the case Ld. AO has erred in making and Ld. Addl/JCIT(A) in an ex-parte manner in confirming the addition of Rs.3,00,000/- u/s 69 of Income Tax Act, 1961 by alleging that purchase of shares of M/s. Conart Traders Ltd by appellant is a bogus accommodation entry.

2. That the impugned ex-parte order so passed is illegal and wrong.

3. That the assessee craves leave to add, amend, alter or delete any of the grounds of appeal and all the grounds are without prejudice to each other."

(B) The facts of the case, in brief, are that the assessee is a HUF. The assessee filed its return of income on 17.10.2012 for A.Y. 2012-13, declaring total income of Rs.4,67,970/-. The Assessing Officer completed the assessment u/s 148/143(3) of Income Tax Act, 1961 ("Act", for short) vide assessment order dated 26.07.2017 at a total income assessed at Rs.7,67,970/- as against returned income of Rs.4,67,970/-. Aggrieved, the assessee went in appeal before the learned CIT(A). The learned CIT(A) dismissed the assessee's appeal observing as under:

4.1 **Ground of Appeal No. 1 & 2:** -These grounds of appeal relates to addition of Rs. 3,00,000/- being purchased of shares is a bogus accommodation entries and not considered the income in the form of capital gains at the time of selling the shares.

4.2 As stated above no written submissions except those mentioned in statement of facts were furnished by the appellant in spite of repeated opportunities. No evidence whatsoever has been filed in support of his contention.

4.3 The reasons for making the additions by the assessing Officer as per the assessment order are produced below:-

6. निर्धारण कार्यवाही के दौरान यह ज्ञात हुआ कि निर्धारित द्वारा Santoshima Tradelinks Ltd. के 15000 शेयरों, जिनका मूल्य रु 20.00 प्रतिशेयर था Conart Traders Limited, Mumbai से खरीदे थे। प्रश्नों के दौरान बताया गया कि Conart Traders Limited, Mumbai का विलय मुम्बई हाईकोर्ट के अनुसार सन एशियन लिमिटेड में हो गया है। अतः उक्त bogus accommodation entries की जाँच हेतु Sun Asian Ltd, Mumbai एवम् Conart Traders Limited, Mumbai को दिनांक 14/07/2017 को धारा 131 के तहत सम्मन जारी करते हुये खरीदे गये शेयरों के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई, जिसमें सुनवाई दिनांक 24/07/2017 नियत की जायी करते हुये खरीदे गये शेयरों के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई, जिसमें सुनवाई दिनांक 24/07/2017 नियत की जायी करते हुये खरीदे गये शेयरों के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई। उक्त दोनों ही कर्मचारियों को जारी किये गये सम्मन का तामील हुये दिनांक 24/07/2017 को वापस प्राप्त हुये। उक्त दोनों ही कर्मचारियों को जारी किये गये सम्मन का वापस आना इस बात का सूचक है कि निर्धारित द्वारा bogus accommodation entries अपनी लेखा-पुस्तकों में डाली गई है।

7. निर्धारित द्वारा Conart Traders Limited, Mumbai से खरीदे गये शेयर प्रमाण पत्र का ध्यानपूर्वक विश्लेषण किया गया। कानूनी रूप से शेयरों की खरीद-बिक्री स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से की जाती है और शेयरों के स्वामित्व का इस्तेमाल शेयर ट्रांसफर कीड के द्वारा नियत स्टाम्प ड्यूटी जिसके लिये शेयर ट्रांसफर स्टाम्प, ट्रांसफर कीड पर लगाकर सम्बन्धित कम्पनी को शेयर सर्टीफिकेट भेजना होता है। लेकिन निर्धारित ने ऐसे कोई दस्तावेज निर्धारण की कार्यवाही के दौरान प्रस्तुत नहीं किये हैं, जिनसे यह पता चलता हो कि उसके द्वारा भौतिक कानून के तहत की खरीद सन्तोषीमा ट्रेड लिंक से करने के बाद इसे कोनार्ट ट्रेडर्स लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालय जो कि 301/3, गण सहकी अवार्डमेंट, बसन्त राव रोड, बोरिवली वेस्ट, मुम्बई 400092 पर स्थित कार्यालय को भेजे हो। एक और ती निर्धारित प्राईवेट प्लेसमेंट पर कम्पनी द्वारा शेयर जारी करने का दावा कर रहा है, जबकि यह इसके

कितनेकुल विपरीत दस्तावेज प्रस्तुत कर रहा है। शेयर प्रमाणपत्र संख्या 566 दिनांक 26/11/2011 को कम्पनी द्वारा कोयम्बटूर में जारी करना बताया है। इससे यह प्रमाणित होता है कि प्रमाणपत्र संख्या 566 कोयम्बटूर (समिलनाडू) में दिनांक 26/11/2011 को जारी किया गया। यह निर्धारित को सागर में कब और कितने माध्यम से प्राप्त हुआ इस बात कोई जानकारी, दस्तावेज अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किये गये हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि निर्धारित द्वारा प्राईवेट प्लेसमेंट पर शेयर खरीदने का जो दावा किया है वह पूरी तरह से गलत है। क्योंकि यह अपने आप में स्वयं एक साक्ष्य है कि दिनांक 26/11/2011 को कोयम्बटूर में जारी किया गया प्रमाणपत्र निर्धारित को उसके सागर स्थित पते पर 26/11/2011 के पूर्व कभी प्राप्त नहीं हो सकता था। इस शेयर प्रमाणपत्र को पुराने भाग पर शेयर दिनांक 27/11/2011 को उसके नाम पर दर्ज करने का विवरण दिया गया है। यानि के जो शेयर प्रमाणपत्र निर्धारित को दिनांक 26/11/2011 के पूर्व प्राप्त ही नहीं हो सकता था वह उसने कोनार्ट ट्रेडर्स लिमिटेड को मुम्बई पते पर भेज भी दिया और उसे दिनांक 27/11/2011 कम्पनी द्वारा उसके नाम पर दर्ज भी कर दिया, जो कि अपने आप में एक असंभव कार्य है।

अन्वेषण वित्त मुम्बई से पात्र दिनांक 14/10/2016 द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार निर्धारित द्वारा बोगस एन्ट्री ली गई है। साथ ही निर्धारित ने पुरुषोत्तम से बचने के लिये एवम् सही तथ्यों को पेश न करने के उद्देश्य से जारी किये गये सम्मन का अनुपालन नहीं किया। उक्त जाँच के उपरान्त निर्धारित द्वारा सन्तोषीमा ट्रेड लिंक के रु 3,00,000/- के शेयरों की जो bogus accommodation entries ली गई है, जिसका प्रबन्ध, नियंत्रण एवम् संचालन भी विपुल विद्वर मन्ट द्वारा किया जाता है। अतः रु 3,00,000/- की ली गई bogus accommodation entries को धारा 69 के तहत निर्धारित को आय में जोड़ा जाता है। आय के सही धारे न दिये जाने के कारण इकरण में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 271(1)(c) के तहत शक्ति कार्यवाही आरम्भ की जा रही है।

4.4 In the appellate proceedings, burden of proof lies on the appellant to prove that the facts and the findings of the AO are incorrect. As stated above no documentary evidence whatsoever including genuineness of purchases of shares etc. has been filed by the appellant during the appellate proceedings to disprove the finding of the AO. Considering the facts and circumstances of the case no infirmity is noticed in the order of the AO. Thus, I find no merit in the grounds of appeal no. 1&2 taken by the appellant and accordingly the same are rejected/dismised.

4.5 **Ground No- 3 & 4 :-** These grounds of appeal are general in nature and does not need any adjudication. Accordingly, the same are rejected/dismised.

(C) During the course of hearing, none was present on behalf of the assessee. In the absence of any representation from the side of the assessee, learned Departmental Representative for Revenue was heard, who relied on the orders of the authorities below. On careful perusal of the impugned order of the learned CIT(A), and other materials on record, no infirmity is found in it. No material has been presented from either side to justify any interference with or modification of the impugned order of learned CIT(A). Therefore, the impugned order of learned CIT(A) is upheld and the appeal is dismissed.

(D) In the result, the appeal of the assessee is dismissed.

(Order pronounced in the open court on 19/02/2026)

Sd/.
(ANADEE NATH MISSHRA)
Accountant Member

Dated:19/02/2026
Vijay Pal Singh, (Sr. PS)

Copy of the order forwarded to :

1. The Appellant
2. The Respondent.
3. Concerned CIT
4. D.R., I.T.A.T.,
5. CIT(A)